Setting up of a Television Relay Centre at Visakhapatnam

1555. SHRI S.R.A.S. APPALANAIDU Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) how many new areas would be covered with television relay during the year 1980-81 and thier names; and

(b) whether there is any proposal to set up a Television relay Centre at Visakhapatnam in Andhra Pradesh, if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE) : (a) The Government is working out a scheme to set up Relay Centres in various parts of the country by using microwave link in collaboration with the Ministry of Communications.

(b) If feasible, under the proposed scheme, Visakhapatnam will also be borne in mind.

राजस्थान नहर योजना का कार्यान्वयन

1556. **श्री विरधी चन्द्र जैन** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता, सिंचाई विभाग और भूतपूर्व अध्यक्ष श्री कंवर सेन द्वारा तैयार की गई राजस्थान नहर योजना की प्रतियां और मानचित्र सभा-पटल पर रखे जायेंगे ;

(ख) उपरोक्त योजना को कार्यान्वित करने में क्या कठिनाइयां है और क्या इस बारे में विस्तृत सूचना सभा पटल पर रखी जायेगी; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार उपरोक्त योजना को कार्यान्वित करने के लिए तैयार है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए. बी. ए. गनी खान चौधरी) : (क) से (ग). राजस्थान सरकार ने सूचित किया है कि राजस्थान नहर बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष, श्री कंवर सेन द्वारा राजस्थान नहर के लिए अलग से कोई स्कीम तैयार नहीं की गई। लेकिन राज्य सरकार ने सूचित किया है कि 1975 में मैसर्स वाटर एण्ड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज लि. (भारत सरकार का एक उपक्रम) को राजस्थान नहर परियोजना के चरण-दो में लिफ्ट सिंचाई को शामिल करने के लिए अन्वेषण करने के लिए एक कार्य-योजना तैयार करने के लिए कहा गया था, इस समय इस चरण के अन्तर्गत केवल 6 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की प्रवाह-सिंचाई की व्यवस्था है। यह कार्य एक समिति के मार्ग-दर्शन में किया जाना था जिसमें श्री कंवर सेन भी शामिल थे। अप्रैल, 1976 में वाटर एण्ड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह प्रस्ताव किया गया था कि प्रवाह-सिंचाई के अन्तर्गत क्षेत्र को 6 लाख हैक्टेयर से घटा कर 3.5 लाख हैक्टेयर किया जाए और 3.89 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के लिए लिफ्ट सिंचाई करने की स्कीम में शामिल किया जाए। इस रिपोर्ट और अन्य प्रस्तावों पर विचार करने के बाद राजस्थान सरकार ने फरवरी, 1977 में राजस्थान नहर परियोजना के चरण-दो के लिए एक संशोधित स्कीम तैयार की ताकि प्रवाह-सिंचाई वाले कृषि योग्य कमान क्षेत्र को 6 लाख हैक्टेयर से घटा कर 5 लाख हैक्टेयर करके, 2.6 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की लिफ्ट सिंचाई की व्यवस्था की जा सके। बाद में, 1978 में राज्य सरकार ने मूल स्कीम को ही अपनाने के लिए पुन: विचार किया ताकि केवल प्रवाह-सिंचाई की जाए। राज्य सरकार ने सूचित किया है कि यह मामला अभी भी विचाराधीन है।

Ravi-Beas Water Dispute Between Punjab and Haryana

1557. SHRI CHIRANJI LAL SHARMA : Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state :

(a) what are the details of the decision taken by the Central Government in regard to Ravi-Beas water dispute between the States of Punjab and Haryana;

(b) whether it is a fact that the Punjab Government has not implemented the decision of the Central Government as yet and if so, what are the reasons therefor;